आकाशगंगा (Galaxy).

आकाश गंगा - अनगिनत तारों का समूह है यानी इसमें लाखों करोड़ों तारे होते हैं जो गुरुत्वाकर्षण बल के कारण एक दूसरे से खिंचे रहते हैं और इसी समूह को आकाशगंगा कहते हैं।
आकाश गंगाएं कई प्रकार की होती हैं जिसमें एक आकाशगंगा है मंदाकीनी। यह हमारी आकाशगंगा है यह सर्पिल आकार की है। यह चपटी तश्तरीनुमा होती है जिसमें तीन भुजाएं हैं।

सर्पिल आकार
→ मंदाकीनी

- दीर्घ वृत्ताकार

आकाश गंगा का जन्म Big Bang (theory) से हुई है जो लगभग 15 अरब वर्ष पूर्व हुई थी।

• Big Bang — निहारिका (Nibula) → Galaxy (आकाशगंगा) → Star.

मंदाकीनी → Anti clock में घूमती है।

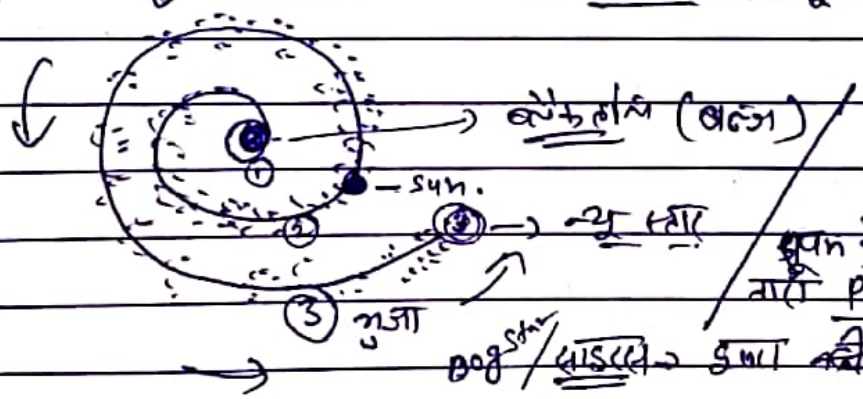

मंदाकीनी की सबसे बाहरी भुजा होती है उसके शुरुआत में नये तारों का जन्म होता है। जिनको भ्रूण तारा (imbryo star) कहा जाता है।

चन्द्रशेखर सीमा - यदि कोई स्टार हमारे सूर्य से उसका द्रव्यमान 1.44 गुणा होता है तो उसमें विस्फोट होने पर White dwarf बनेगा यदि 1.44 गुणा से ज्यादा है तो उसमें सुपरनोवा विस्फोट होगा और वह न्यूट्रॉन तारा बनेगा।